

प्रथम संस्करण : अक्तूबर 2008 कार्तिक 1930

पुनर्मृद्रण : दिसंबर 2009 पाँप 1931

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2008

PD 10T NSY

पुस्तकमाला निर्माण समिति

कंचन सेटी, कृष्ण कुम्बर, ज्योति सेटी, टुलटुल विश्वास, मुकेश मालवीय, राधिका मेनन, शालिनी शर्मा, लता पाण्डे, स्वाति वर्मा, सारिका वशिष्ट, सीमा कुमारी, सोनिका कौशिक, सुशील शुक्ल

सदस्य-समन्वयक - लतिका गुप्ता

चित्रांकन - कनक शशि

सन्जा तबा आवरण - निधि वाधवा

डी,टी,पी, ऑपरेटर - अचंन गुप्ता, मानसी सिन्हा, अंशुल गुप्ता

आभार ज्ञापन

प्रोफेसर कृष्ण कृमार, निर्देशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, न्हें दिल्ली; प्रोफेसर वसुधा कामथ, संयुक्त निरेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रोग्नोशिकी संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली; प्रोफेसर के. के. वशिष्ठ, विभागाध्यक्ष, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली; प्रोफेसर रामजन्म शर्मा, विभागाध्यक्ष, भाषा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली; प्रोफेसर मंजुला माधुर, अध्यक्ष, सैडिंग डेक्लैपमेंट सैल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय समीक्षा समिति

श्री अशोक बाजपेथी, अध्यक्ष, पूर्व कुलपित, महात्मा गांधी अंतरीष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा; प्रोफेसर फरीदा, अब्दुल्ला, खान, विष्क्रगाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली; हा, अपूर्वानंद, ग्रेहर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; हा,शबनम सिन्हा, सी.ई.ओ., आई.एल. एवं एफ.एस., मुंबई; सुश्री नुवहत हसन, निर्देशक, नेशनल बुक दूस्ट, नई दिल्ली; श्री ग्रेहित धनकर, निर्देशक, दिगंतर, जयपुर।

80 जी.एस.एम. पंपर पर मुद्रित

प्रकाशन विचान में सर्विष, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, स्रो अर्थिन्य मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशित तथा पंकल प्रिटिंग प्रेस, डी-28, इंडस्ट्रिक्ट ग्रस्थि, सहट-ए, मधुरा 281004 द्वारा मुहित। ISBN 978-81-7450-898-0 (東西一龍之) 978-81-7450-864-5

बरखा क्रमिक पुस्तकमाला पहली और दूसरी कथा के बच्चों के लिए है। इसका उद्देश्य बच्चों को 'समझ के साथ' स्वयं पढ़ने के मौके देना है। बरखा की कहानियाँ चार स्तरों और पाँच कथावस्तुओं में विस्तारित हैं। बरखा बच्चों को स्वयं की खुशी के लिए पढ़ने और स्थायी पाठक बनने में मदद करंगी। बच्चों को रोजमर्रा की छोटी-छोटी घटनाएँ कहानियाँ जैसी रोचक लगती हैं, इसलिए 'बरखा' की सभी कहानियाँ दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित हैं। बरखा पुस्तकमाला का उद्देश्य यह भी है कि छोटे बच्चों को पढ़ने के लिए प्रवृद मात्रा में किताबें मिलें। बरखा से पढ़ना सीखने और स्थायों पाठक बनने के साथ-साथ बच्चों को पाठ्यचर्या के हरेक क्षेत्र में संज्ञानात्मक लाभ मिलेगा। शिक्षक बरखा को हमेशा कक्षा में ऐसे स्थान पर रखें जहाँ से बच्चे आसानी से किताबें उठा सकें।

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकारक को पूर्वअनुमति के बिना इस प्रकारन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिप, रिकार्डिक अथवा किसी अन्य थिथि से पुन: प्रयोग पद्धति हाग उसका संग्रहण अथवा प्रसारण करित है।

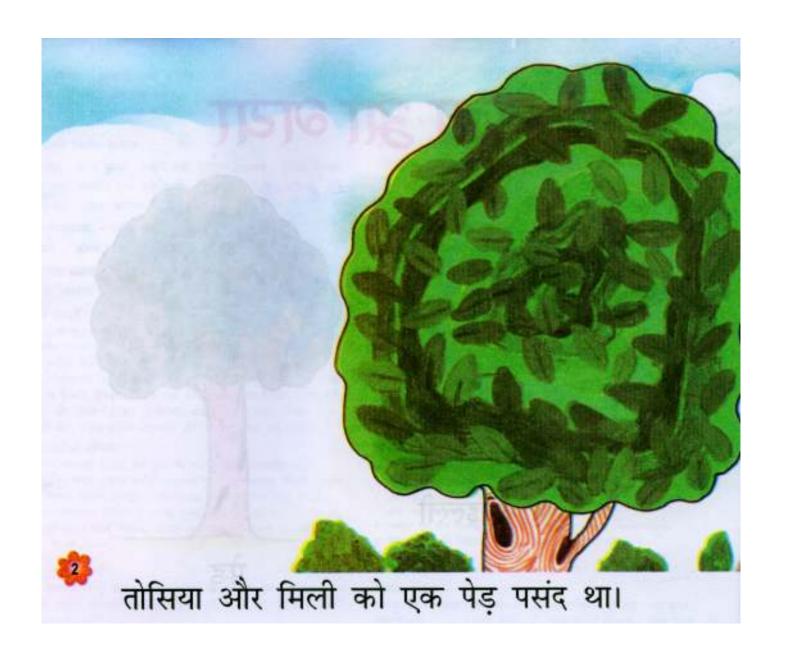
इन,भी,ई,आए,टी, के प्रकाशन कियाग के कार्यालय

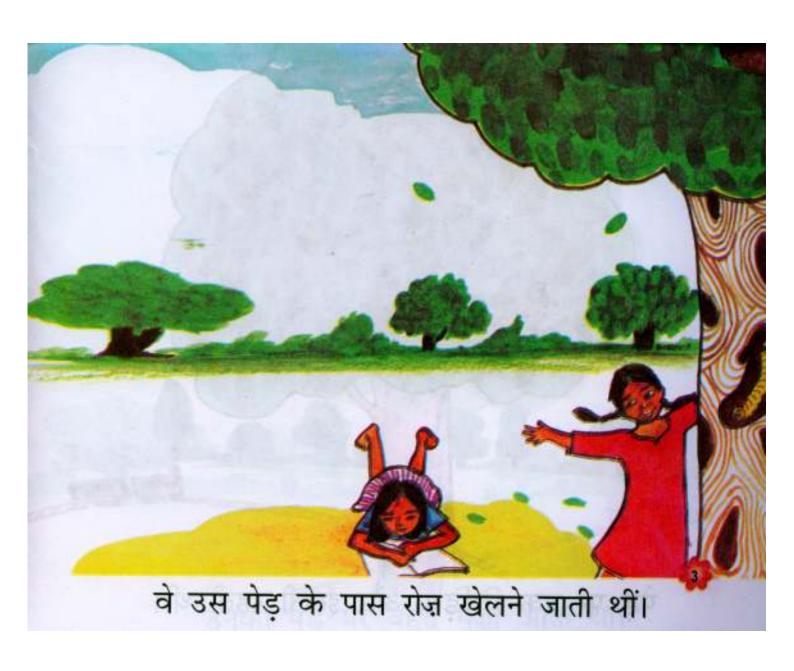
- ए.सी.ई.आर.टी. केंच्स, क्री अर्रावेश मार्च, गर्मी शिल्ली 110 016 फोच : 011-26562708
- 108, 100 परिंद रोड, होती एक्सरेंडान, होशोकेरे, कालकरी III स्टेंब, कंगपुर 560 085 फोल : 089-26725740
- नवकीयन ट्रस्ट भवन, डाक्रयर नवकीयन, अष्टमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446
- गी.डब्ल्यूची, कैएस, निकट: चनकल बस स्टॉप प्रिक्टों, कॉलबाग 100 114 फोब : 033-25536454
- मो.तकपुत्रो, क्रांप्रशेवय, मालेगीव, गुवाराटी १६६ वटा कीव : ११५६१-२६३४४६०

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन विभागः । धी. राजानुस्मर सध्य संध्यकः । श्रवेश उत्पल मुख्य उत्पादन अधिकारी : सिख कुमार मुख्य व्यापार अधिकारी : सीतम गांगुली







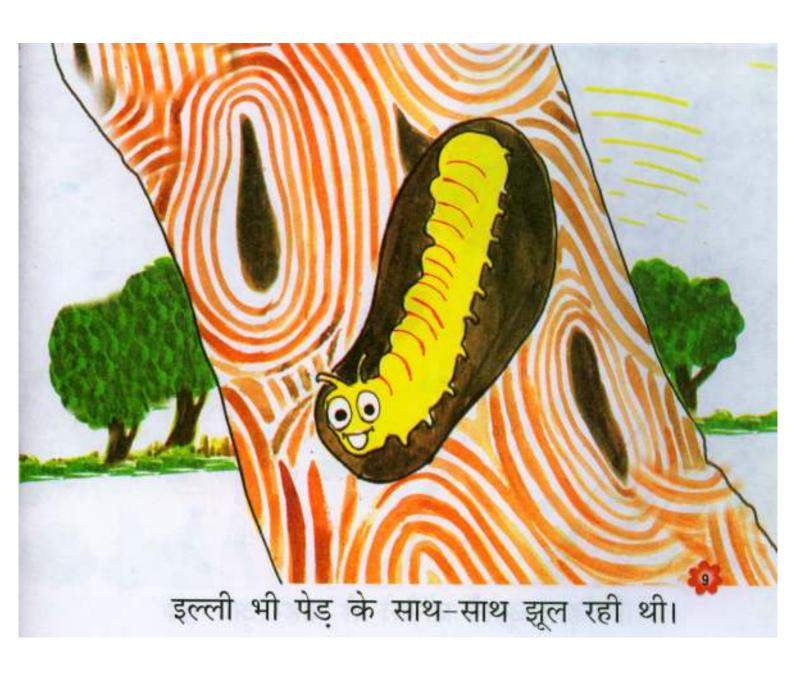












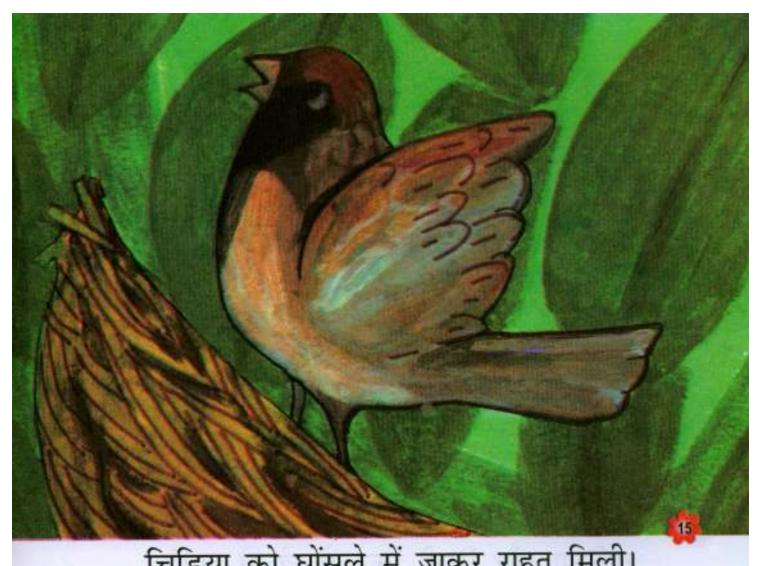












चिड़िया को घोंसले में जाकर राहत मिली।









2063



₹.10.00

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

> ISBN 978-81-7450-898-0 (年間 歳z) 978-81-7450-864-5